वार्षिक प्रगति प्रतिवेदनवर्ष

2020- 2021

ANNUAL REPORT

2020-2021

जन कल्याण सेवा संस्था नेरूवा
गाँव व डाकघर नेरूवा, तहसील चौपाल
जिला शिमला, हि0प्र0 – 171210
email: jkss6299@gmail.com

Jan Kalyan Sewa Sanstha Nerwa
V.P.O Nerwa, Tehsil Chopal,
District Shimla H.P. 171210
Mobile : 9418064733, 9816733403

संस्था का परिचय :

जन कल्याण सेवा संस्था नेरवा एक गैर राजनीतिक, धर्म –निर्पेक्ष, सामाजिक एवं स्वैच्छिक संस्था है। जो कि पंजीकरण सभाएं अधिनियम 21 के 1860 के अर्न्तगत पंजीकृत है। संस्था की स्थापना वर्ष 1999 में जिला शिमला के विकास खंड चौपाल में जनहित के कार्य करते हुए की गई है संस्था का कार्यक्षेत्र सम्पूर्ण हिमाचल प्रदेश है। हमारी जन कल्याण सेवा संस्था वर्तमान समय में हिमाचल प्रदेष के दो जिलों में वर्ष 2013 से आज तक जिला शिमला व जिला सिरमौर में सम्पूर्ण स्वच्छता पेयजल मिशन पर कार्य कर रही है।

जल की शुद्धता व गुणवता जल की जांच :–

संस्था ने दो जिलों में जिला सोलन के 3 विकास खण्डों कंडाघाट, अर्की, व नालागड ब्लाक शामिल है जिला सोलन में तीनो ब्लोको में 27 पंचायतों में सस्थां जल जीवन मिशन का कार्यक्रम कर रही है और जिला सिरमौर के 4 विकास खण्डों शिलाई, पांवटा साहिब नाहन, और राजगढ इत्यादि विकास खण्डों में पेयजल जांच के लिए हरेक विकास खण्डों में 44 पंचायतों में जल जीवन मिशन का कार्यक्रम चल रहा है संस्था हिमाचल के दो जिलों में कार्य कर रही है :–

जिला का नाम	विकास खण्डों के नाम				
शिमला	चौपाल	ठियोग	रोहडू	जुब्बल कोटखाई	चिड़गांव(डोडरा क्वार)
सिरमौर	शिलाई	पांवटा साहिब	नाहन	संगड़ाह	सराहां राजगढ़
सेलन	कंडाघाट	अर्की	नालागड		

संस्था का उद्देष्य:

- स्वास्थ्य
- शिक्षा,
- जागरूकता,
- पर्यावरण सुरक्षा

- बेरोजगार नवयुवक/युवतियों को स्वावलम्बी के लिए व्यवसायिक प्रशिक्षण देना।
- बेरोजगार नवयुवक/ युवतियों को आत्म–निर्भर बनाने के लिए आधुनिक तकनीकियों एवं उपलब्धियों की जानकारी हासिल करवाकर अमीर व गरीब की खाई को न्यूनतम करना।
- महिला मण्डल एवं नव युवक/युवति संगठन को सशक्त बनाना।
- हर वर्ग व जाति समुदाय का उत्थान करना।
- वैज्ञानिक तकनीक पर आधारित खेती व बागवानी को बढ़ावा देना
- किसानों की समस्याओं का निवारण करना।
- समाज में व्यापत असमाजिक कुरितीयों को शिविर के माध्यम से दूर करने का प्रयास करना।
- समाज में बढ़ रहे नशखोरी से नौजवानों को बचाना ।
- जल जीवन मिशन कार्यक्रम जल की शुद्धता व जल की जांच व समस्याओं का समाधान करवाना व जनता को जागरूक करना।

गतिविधियाँ:- संस्था शिमला तथा सिरमौर जिले के 14 विकास खण्डों में कार्य कर रही है एवं सभी विकास खण्डों में संस्था के द्वारा नियुक्त खण्ड समन्वयक अपने–अपने विकास खण्डों में सभी गांव व पंचायतों में टैं॰ कमेटीयों का गठन करती है तथा प्रत्येक गांव व पंचायतों में सभी पानी के स्त्रोतों कुंओं चष्मों, नदी, नालों और तालाबों व पानी के बडे भण्डारण टैंकों को भी समय–समय पर जांच करते हैं। दोनों जिलों के खण्ड समन्वयक प्रत्येक गांव व पंचायतों के सभी स्कूलों, आंगनवाडी केन्द्रों, स्वास्थ्य विभागों व अन्य सभी विभागों और पंचायत के प्रतिनिधियों तथा वार्ड मैम्बरों तथा प्रत्येक सदस्यों को पानी की पूर्ण स्वच्छता व शुद्ध गुणवता तथा उचित रख रखाव की जानकारी, हर बदलते मौसम से पहले व बाद में समय–समय पर दी जाती है। जन कल्याण सेवा संस्था ज्यादातर इन दोनों जिलों में शिमला व सिरमौर में हरेक ब्लॉक खण्डों, प्रत्येक पंचायतों तथा गांव में गरीब वर्ग के लोगों व बेसहारा बच्चों तथा 60 वर्ष से अधिक आयु व बहुत ही गरीब व पिछडा वर्ग के लोगों को हम विशेष मदद की योजना के तहत इन पात्र सदस्यों को संस्था मदद करना चाहती है। जिस कार्य को संस्था कुछ ही दिनों में शीघ्र ही पूरा कर देगी।

- सस्था बेरोजगार नजवान युवको व युवतियों को आत्मनिर्भर बनाने के लिए कृषि व बागवानी पर नए–नए वैज्ञानिक तकनीक पर आधारित खेती व बागवानी पर केंद्रित करने के लिये गांव –गांव

में जाकर जागरूकता शिविर का आयोजन करते है।

- संस्था बेरोजगार युवक व युवतियों को आत्म निर्भर करने का कार्य कर रही है। बदलते आधुनिक तकनीकियों एवं उपलब्धियों की जानकारी हासिल करवाकर अमीर व गरीब की खाई का प्रयास कर रही है।
- संस्था का विचार है कि जो बेसहारा व विकलांग बच्चें है उनके लिए संस्था सरकार के माध्यम से विशेष सहायता करेगी तथा 60 वर्ष से अधिक आयु वर्ग के वृद्धों गरीबों व असहाय पात्र सदस्यों के लिए संस्था सरकार के माध्यम से विशेष मद्द करना चाहती है ताकि विशेष असहाय व गरीब जरूरतमंदों की सहायता की जा सके।
- जल जीवन मिशन कार्यक्रम अक्टुबर 2020 से आज तक जिसमें जिला सोलन व जिला सिरमौर का कार्यक्रम जन कल्याण सेवा संस्था नेरवा को मिला जो कि वर्ष 2022–23 तक चलता रहेगा। वर्तमान समय में संस्था अधिकांश कार्य हिमाचल प्रदेश के दो जिलों में(जिला शिमला व जिला सिरमौर में) पूर्ण स्वच्छता अभियान पर कार्य कर रही है। जिला शिमला केपांच विकास खण्डों चौपाल, ठियोग, जुब्बल कोटखाई, रोहडू और चिडगांव (व डोडरा क्वार) में इन चार वर्षों में (वर्ष 2013 से वर्तमान तक) 741 प्रधानों तथा वार्ड मेम्बरों को पूर्ण स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत जिला के जन स्वस्थ्य विभाग ढांगसीधार – जिला मण्डी में प्रषिक्षण दिलवाया गया तथा जिला सिरमौर के 6 विकास खण्डों में शिलाई, पांवटा साहिब, संगड़ाह, नाहन, राजगढ़ तथा सराहन (पच्छाद) में भी लगभग 1132 प्रधानों तथा वार्ड मेम्बरों को पूर्ण स्वच्छता अभियान के अन्तर्गत जिला के जन स्वस्थ्य विभाग ढांगसीधार प्रषिक्षण केन्द्र मण्डी में दिलवाया गया और सभी स्कूलों पंचायतों और आंगनबाड़ी केन्द्रों तथा अन्य सभी विभागों में VWSC की कमेटियों का गठन किया गया तथा विभिन्न स्कूलों तथा विभागों में नुक्कड़ नाटकों के माध्यम से जागरूकता प्रसार शिविरों में लोगों को जल स्वास्थ्य सम्बन्धी जानकारी प्रदान कर जागरूक किया गया। उपरोक्त सभी विकास खण्डों की पंचायतों में विभाग द्वारा वितरित की FD Testing Kit जो कि पंचायतों प्रधानों के पास पड़ी जिसकी उन्हें जानकारी नहीं थीतो हर विकास खण्डों के खण्ड समन्वयकों ने हरेक पंचायतों में मीटिगों में थ्क ज्मेजपदह झपज माध्यम से लोगों को पानी की जांच करने बारे प्रशिक्षित किया गया।
- सभी गांव व पंचायतों के सभी सदस्यों को पीने के पानी की उत्तम गुणवता के बारे में जॉच पडताल की ट्रेनिंग दी जाती है। यह ट्रेनिंग सभी गांव व पंचायतों में आंगनबाडी केंद्रों, स्कूलों व अन्य सभी सरकारी विभागों में दी जाती है। इस ट्रेंनिंग में पीने के पानी का सही इस्तेमाल व रख रखाव के बारे में लोगों को मौखिक रूप से व नुक्कड नाटक के माध्यम से सभी बच्चों व लोगों

को जागरूक किया जाता है। हिमाचल प्रदेश पहाड़ी क्षेत्र होने के नाते यहां से पानी के विशेष स्त्रोत उत्पन्न होते हैं जिस पर हिमाचल प्रदेश व भारत के बहुत सारे राज्य निर्भर हैं। इसलिये इन सभी पानी के स्त्रोतों, चष्मों, कुंओं, तालाबों व नदी, नालों को दूषित होने से बचाया जा सके। ताकि सभी को स्वच्छ व साफ जल पीने को मिल सके ताकि स्वच्छ जल पीने से सभी लोगों को अच्छा स्वास्थय लाभ मिल सके।

नोट :- 2020-21 में किसी भी प्रधान व मेंम्बरों की कोविड-19 की वजह से ट्रैनिंग नहीं करवाई गई।

- हिमाचल प्रदेश का यह क्षेत्र जिला शिमला व जिला सिरमौर भौगोलिक दृष्टि से बहुत पिछड़े क्षेत्र है। पहाडी क्षेत्र होने के कारण यहां यातायात की उचित व्यवस्था नहीं है। स्वास्थ्य सेवाएं की उचित तकनीक व अच्छी शिक्षा प्रणाली की व्यवस्था विकसित नहीं है। इन क्षेत्रों के लोगों का मुख्य व्यवसाय खेतीबाड़ी व पशुपालन है। इन क्षेत्रों की खेती विशेषकर वर्षा पर निर्भर करती है। सिंचाई की कोई भी व्यवस्था नहीं है। संस्था का कार्य क्षेत्र की समुद्र तल से ऊंचाई 4 हजार फुट से लेकर 12000 फुट तक की ऊंचाई वाले पहाड़ी में बसा है। यहां पर जून माह से लेकर सितम्बर माह तक वर्षा होती है और नवम्बर से लेकर अप्रैल तक बर्फ पड़ती है। जिसके कारण यहां अन्य क्षेत्रों से यातायात सम्पर्क टूट जाता है।

कार्य क्षेत्र की समस्या:- मुख्यत इस पहाडी क्षेत्र में मिली–जुली संस्कृति देखने को मिलती है इस क्षेत्र में परम्परा व रीति–रिवाजों सांस्कृतिक रूप से सम्पन्न है वहीं दूसरी ओर अन्धविश्वासों जैसे– जाति–पाति, बाल–विवाह, दहेज प्रथा, नषाखोरी जैसी अनेक समस्याऐं विद्यमान है जिसके कारण विकास की प्रक्रिया में लोगों को जोड़ना मुष्किल होता है इसके साथ शिक्षा स्वास्थ्य यातायात जैसी मूलभूत

सुविधाओं की दूर दराज क्षेत्रों में काफी अभाव है। लोगों का मुख्य व्यवसाय कृषि व पशुपालन है कुछ क्षेत्र में लोगों की आजिविका बागवानी पर निर्भर है लोग कृषि का कार्य अभी तक परम्परागत तरीके से ही करते हैं अधिकतर खेती वर्षा पर निर्भर करती है।

वर्ष के दौरान कार्यक्रम की गतिविधियाँ:- संस्था द्वारा विगत वर्ष 2020–2021में निम्नलिखित गतिविधियों का सफल संचालन किया गया है:–

- महिला मंडल का संचालन
- नव युवक मण्डल का सचालन

- नये स्वयं सहायता समूह गठन करना
- अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस का आयोजन
- दक्षता निर्माण गतिविधियां
- महिला एवं युवतियों को सिलाई–कढ़ाई तथा बुनाई का प्रषिक्षण देना
- डा0 भीमराव अम्बेदकर जयंती का आयोजन करना
- चिकित्सा स्वास्थ्य जाँच षिविरों का आयोजन करना
- राष्ट्रीय पर्यावरण जागरूकता अभियान
- महिला जागरूकता अभियान
- संक्षिप्त पाठयक्रम का संचालन
- कवि गोष्ठी का आयोजन
- नर्सरी उगाना और वृक्षरोपण करना
- अक्षम विषेष आवासीय विद्यालय एवं अनाथालय का संचालन
- पानी की उत्तम गुणवता तथा जल जांच षिविर
- फल और सब्जीयों का प्रोसेसिंग ट्रैनिंग षिविर
- गरीब वृद्ध पुरूष महिलाओं के उत्थान के सहयोग के लिए विषेष सर्वे
- जल जीवन मिशन कार्यक्रम का सफल संचालन

उपरोक्त पाठयक्रमों का विस्तृत विवरण निम्न प्रकार से हैः–

संगठनात्मक गतिविधियाँः– आमतौर पर यह देखने को मिलता है कि ग्रामीण लोग अपने कार्य में इतने व्यस्त हो जाते कि उन्हें पता ही नहीं होता कि उनके आस–पास क्या घटित हो रहा है? उन्हें इसकी सूचना तक नहीं होती लेकिन ग्रामीण लोग इसके बारे में इतने अनभिज्ञ रह जाते है कि उन्हें इन कार्यक्रमों का पता ही नहीं चलता और पता लग भी जाए तो उसकी पूर्णरूप से जानकारी नहीं होती या तो कार्यक्रम की समाप्ति के उपरांत जानकारी हासिल होती है जिसका समय रहते ग्रामीण उचित लाभ से वंचित रह जाते हैं। जिससें क्षेत्र के विकास पर बहुत ज्यादा प्रभाव पड़ता है।

उपरोक्त स्थिति को मध्य नज़र रखते हुए संस्था विकासीय कार्यक्रमों का सुचारू रूप से चलाने

बारे उन्हें जानकारी तथा विभिन्न विभागीय प्रषिक्षण करती रहती है ताकि सभी ग्रामीण उचित समय पर संचालित योजनाओं का लाभ उठा सके और अपना विकास कर क्षेत्र को समृद्ध बनाने में अग्रसर हो सके।

1. महिला मण्डलों का समुचित रूप से संचालनः–

विभिन्न क्षेत्रों की ग्रामीण महिला को कड़ी से जोड़ने व विकासात्मक कार्यक्रमों के सफल संचालन के लिए समुहों के रूप में संगठित कर उन्हें विकास के कार्यक्रमों में जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है ताकि लोग विकासीय कार्यक्रमों में सक्रिय भागीदारी निभा सकें। इस समय संस्था लगभग 240 महिला मण्डलों के साथ मिलकर कार्य कर रही है। प्रत्येक माह की मासिक सभाओं में संस्था के कार्यक्रमों की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी जाती है। महिला मण्डलों की नियमित रूप से बैठकें आयोजित की जाती हैं। बैठक में महिलाएं अपनी समस्याओं को सामने लाती है और समस्याओं के समाधान हेतु सही दिषा निर्देषन तथा विषय हेतु रूप–रेखा तैयार करने में संस्था के कार्यकर्ता उनका सहयोग करते हैं।विभिन्न महिला मण्डलों एवं समूहों को विभिन्न बैंको से लिंक करवाया गया है और बहुत से महिला मण्डलों को विभिन्न योजनाओं के अन्तर्गत बैंकों से ऋण प्रदान करवायागया है जिससे महिलाओं में आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता बढ़ी है और अपने घरों को चलाने में सक्षम साबित हुई है।

2.युवक मण्डलों संचालनः–संस्था ने सभी पंचायतों में युवक मण्डलों का गठन किया है जोकि अपनी पंचायत क्षेत्र में सभी समस्याओं से जुड़ने के लिए संस्था का सहयोग करते हैं संस्था इन युवाओं के अपनी बैठक में भी बुलाती है और इनका मार्ग दर्शन भी करती है। संस्था बेरोजगार युवकों को स्वभिलम्बन बनने के लिए प्रेरित करती हैं ताकि युवक अपना रोजगार कर सकें और अपने परिवार का भरण पोषण कर सकें । अभी हर पंचायतों में हमने कम से कम 82 नव युवको मण्डलों का गठन किया।

3. नये स्वयं सहायता समूह का गठन करना:- आज के समय में बचत की सभी को आवश्यकता है खास कर ऐसे परिवार को जोकि आर्थिक रूप से पिछड़े है। गरीब महिलाओं के लिए बचत अपनी उपयोगिता है क्योंकि जब कोई भी मुसीबत आ पड़ती है तो गरीब महिलाएं ही उसकी सबसे अधिक शिकार होती है गरीबी से भी महिलाएं पुरूषों के मुकाबले घर तथा परिवार के लिए ज्यादातर जूझती है ऐसी स्थिति में अगर महिलाओं के पास थोड़ी बहुत बचत हो तो

उसके लिए बहुत उपयोगी सिद्ध होती है राजनीतिकरण की वजह से ग्रामीण लोग अपने सभी उपयोगी कार्यक्रमों हेतु सरकार के उपर बोझ बनती जा रही है इस समस्या का एक मात्र उपाय ग्रामीणों को एकत्र कर उनकी सोच में परिवर्तन लानेहेतु समूहों में गठित करना है। इस उद्वेष्य की पुर्ति हेतु संस्था ने यह निर्णय लिया है कि नये स्वयं सहायता समूहों का गठन करना अति आवष्यक है जिससे महिलाओं का आत्म विश्वास और आत्मनिर्भरता संभव हो सके। आने वाले समय में संस्था सभी समूहों की बैठक बुलायेगी और सभी समूहों की आपसी प्रतिस्पर्धा करवायेगी उन्हें पुरस्कृत करेगी ताकि वह महिलाएं समूह के प्रति अपनी लग्न न छोड़े। संस्था विकास खंड चौपाल, रोहडू, चिडगांव, डोडर क्वार, ठियोग व जुब्बल में नये स्वयं सहायता समूहों का गठन करके उनकी सहबद्धता और रिफ्रैषर कार्यक्रम हेतु नाबार्ड बैंक से सम्मानित करवाया जाएगा। संस्था ने अभी तक लगभग 240 स्वयं सहायता समूह का गठन किया है वर्ष 2021-22 में लगभग 960 नये स्वयं सहायता समूहों का गठन करेगी तथा संस्था जिला स्तर पर स्वयं सहायता समूह के नेटवर्क का कार्य करेंगी।

4. अर्न्तराष्ट्रीय महिला दिवस:– अर्न्तराष्टीय महिला दिवस 2020–21 में जिला सिरमौर में मनाया गया जिला सिरमौर में यह महिला दिवस का कार्यकम ग्रम पंचायल कांडोभटनोल के गिरनोल मैदान में बडे स्तर में मनाया गया इस कार्यकम में जिला सिरमौर के नायब तहसीलदार श्रीमति निशा आजाद व बी0 डी0 सी0 चैयरमैन श्रीमति अनिता देवी वर्मा व बी0 डी0 ओ0 शिलाई व आंगनवाडी व आशा कार्यकताओं व वंहा की लगभग 230 स्थानीय महिलाओं ने भाग लिया इस कार्यकम में

आगंनवाडी वर्कर श्रीमति मस्तो देवी ने महिला दिवस पर महिला व किशोरियों के बढते अपराधों के बारे में अपने विचार प्रगट किए और इस अवसर पर छोटी बालिका कुमारी मेघा सिंह डोगरा कविता सुनाकर इस कार्यक्रम की शोभावित किया। यह कार्यक्रम को बडे हर्षोल्लास से मनाया गया इस कार्यक्रम में जन कल्याण सेवा सस्था नेरवा ने भी भाग लिया।

5.दक्षता निर्माण गतिविधियां:– बेरोज़गारी की बढ़ती हुई संख्या से जहां देश व प्रदेश सरकार चिंतित है वहीं पढ़े लिखे युवा वर्ग भी इस बढ़ती हुई समस्या के समाधान से निकालने में असमर्थ व हतोत्साहित हो रहे हैं इस समस्या के समाधान के लिए एक उपाय है कि पढ़े–लिखे युवा वर्ग को स्वरोज़गार हेतु प्रषिक्षण व प्रोत्साहित किया जाना अति जरूरी है। संस्था द्वारा इसी समस्या के समाधान हेतु ग्रामीण महिलाओं, युवक/युवतियों को विभिन्न सरकारी विभागों के अन्तर्गत व्यवसायिक एवं तकनीकि प्रषिक्षण दिलाए जायेंगे।

6. डा0 भीमराव अम्बेदकर जयन्ती का आयोजन करने बारे:– वर्ष 2020–21 में 14 अप्रैल डा0 भीम राव अम्बेदकर जयन्ती का आयोजन कोविड–19 के चलते जन कल्याण सेवा सस्थां नही कर पाई।

7.स्वास्थय जॉच शिविर का आयोजन करने बारे:– संस्था द्वारा चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग द्वारा आयोजित मरीजों का निशुल्क उपचार करवाने के लिए जब–जब विभागों द्वारा नि:शुल्क शिविर का आयोजन किया जाता है तो संस्था द्वारा गांव एवं पंचायतों के सभी लोगों को शिविर में आने जाने में सहायता की जाती है। संस्था ने हर गांव जाकर लोगों को इस निशुल्क शिविर का लाभ उठाने के लिए लोगों को प्रेरित किया जाता है इन शिविरों में अनेक प्रकार के चैकअप किए जातें हैं जैसा कि आंखों के टैस्ट व पत्थरी का ऑपरेशन और अन्य सभी उपचार सफल तरीके से नि:शुल्क किए जाते हैं।

8. महिला जागरूकता प्रसार शिविर का आयोजन करने बारे:– संस्था द्वारा ग्रामीण महिलाओं को स्वावलंबी व आत्मनिर्भर बनाने व उन्हें अपने अधिकारों कर्तव्यों के बारे में जानकारी देने, विकासीय कार्यक्रमों में ग्रामीण महिलाओं की भूमिका तथा सरकारी विभागों की विकासीय योजनाओं इत्यादि की विस्तृत जानकारी प्रदान की जाती है इस उदेष्य के लिए संस्था ने जिला शिमला के पिछडे क्षेत्र में और जिला सिरमौर के विभिन्न विकास खण्डों में महिला जागरुकता प्रसार शिविरों का आयोजन किया करते थे लेकिन वर्ष 2021-21 में महिला जागरुकता का आयोजन कोविड-19 की वजह से नहीं कर पाए। आने वाले समय में सभी विकास खण्डों पर महिला जागरुकता शिविरों का आयोजन किया जाएगा।

9.अक्षम विषेष आवासीय विद्यालय का संचालनः–

- संस्था जिला शिमला के दूर दराज के क्षेत्र में विकास खण्ड चौपाल के नेरवा में विकलांग व अनाथ बच्चों का आवासीय विद्यालय चलाया गया था। संस्था की देख–रेख विद्यालय में इस समय 81 अपंग व अनाथ बच्चों ने शिक्षा ग्रहण की। इसका खर्चा संस्था ने दान मांग कर व कुछ धन राशि संस्था के सदस्य ने अपनी लगवाई।
- मद्द डेरा बाबा रूद्रानन्द जी महाराज ऊना सेवक मण्डल शिमला द्वारा सहयोग दिया गया। संस्था इस कार्य को सुचारू रूप सेचलाने की इच्छुक है। संस्था का भवन आवासीय कालॉनी किचन व शौचालय इत्यादि बनाने का विचार है यदि संस्था को सरकारी या गैर सरकारी संगठन से समुचित आर्थिक मदद मिल सके।
- दूध की महंगाई एवं लोगों की जरूरत को देखते हुए संस्था गौ–सदन की स्थापना करना चाहती है ताकि दूध इत्यादि से बच्चों को सुविधा मिल सके। संस्था इस कार्य को जनता व सरकार के सहयोग से पूरा करेगी। शिक्षा के अतिरिक्त हम इन छात्रों को खेलकूद मनोरंजन इत्यादि भी करवायेंगे व इसके लिए विशेष शिक्षित अध्यापक रखे जायेंगें। अक्षम व अनाथ विद्यालय में बहुत से समारोहों का आयोजन किया जाता हैं जैसे– दीपावली, दषहरा, स्वतन्त्रता दिवस, गणतन्त्रता दिवस, गांधी जयंती, विकलांगता दिवस, साक्षरता दिवस, बाल दिवस, पर्यावरण दिवस, शिक्षक दिवस आदि का आयोजन किया जाता है। संस्था आयकर के 80–जी. के तहत दान प्राप्त करती है। यदि कोई सज्जन महापुरूष हमारी संस्था को दान करना चाहते हैं तो आप निम्नलिखित उपरोक्त खाता संख्या में जमा कर सकते है जिसकी आपको संस्था के माध्यम से रसीद दी जायेगी।

State Bank of India
Account No:- 11577932741
IFSC Code No:-SBIN0008353
MICR NO.17100171
Email _ID:- jkss6299@gmail.com

10. **जल जीवन मिशन कार्यक्रम** :—जल की शुद्धता व गुणवता जल की जांच

संस्था ने दो जिलों में जिला सोलन के 3 विकास खण्डों कंडाघाट, अर्की, व नालागड ब्लाक शामिल है जिला सोलन में तीनो ब्लोको में 27 पंचायतों में सस्थां जल जीवन मिशन का कार्यक्रम कर रही है और जिला सिरमौर के 4 विकास खण्डों शिलाई, पांवटा साहिब नाहन, और राजगढ इत्यादि विकास खण्डों में पेयजल जांच के लिए हरेक विकास खण्डों में 44 पंचायतों में जल जीवन मिशन का कार्यक्रम चल रहा है जिसमें हर घर नल घर – घर जल भारत सरकार द्धारा चलाए गए अभियान कार्यक्रम जिसमें कि हर पंचायत मे प्रत्येक पानी के स्त्रोतों की जांच करना और पानी का सही रखरखाव व पानी को हर बदलते मौसम से पहले व बदलते मौसम के बाद जांच करवाना और पंचायत की पानी से संबधित जो भी समस्याए है उनका निवारण करने की जानकारी समस्त लोगो को अवगत करवाना है। और प्रत्येक पंचायत में सस्थां पंचायत की VWSC कमेटी का गठन करती है और उस पंचायत की VWSC कमेटी को नजदीकी बैंक से लिंक करवाती है ताकि सभी पंचायत कमेटीयों को सरकारी योजनाओ का लाभ मिल सकें।

नोटः जन कल्याण सेवा संस्था चाहती है कि हर वर्ष इस प्रकार के 3– या 5 कार्यक्रम आयोजन किये जाये ताकि बहुत सारे बेरोजगार युवक व युवतियों आत्मनिर्भर बनने के लिए प्रशिक्षण प्रदान किया जा सके।

11 **60 वर्षों से ऊपर सभी वृद्धों का सर्वेः**– संस्था ने नवम्बर व दिसम्बर 2013 को जिला शिमला के नेरूवा एवं कुपवी ब्लॉक तथा जिला सिरमौर के प्रत्येक ब्लॉक का सर्वे किया गया। जिसमें मुस्लिम समुदाय व पिछड़ा वर्ग के सबसे ज्यादा वृद्धों को पाया गया जो कि बिलकुल ही बुरी स्थिति से गुजर रहे हैं पंचायतों में अनुसूचित जाति के लोग गरीबी के सबसे ज्यादा शिकार है और आमदनी का कोई भी साधन नहीं है। उनके पास ना ही जमीन की कोई आमदनी है और ना ही कोई स्त्रोत उपलब्ध है। बहुत ही ज्यादा गरीबी होने के कारण उनको भरपेट खाना वह तन को ढकने का के लिए कपड़े तक नसीब नहीं होता। संस्था चाहती है कि जिला सिरमौर के विकास खण्ड रेणुका जी व पांवटा साहिब के मध्य वृद्धाश्रम के लिए जगह चिन्हित कर रही है जिसके कागजात लगभग तैयार कर लिए गए हैं। संस्था सरकार या गैरसरकारी संगठन से आर्थिक सहायता मिले ताकि हम जिला सिरमौर में वृद्धाश्रम चलाने की व्यवस्था शुरु कर सके।

12. **किसानों की समस्याओं का निवारण करना:-** संस्था किसानों के हर समस्याओं के समधान के लिए बैठकों का अयोजन करती रही है और सभी प्रकार की समस्याओं जैसे कि आवारा–नकारा पशुओं व जंगली जानवरों व तथा बीज, दवाई, सिंचाई टैंक, फव्वारे, स्प्रेयर मशीनें और सस्ती खादों को सरकारी विभाग से सब्सीडी पर दिलवाने के लिए संस्था गरीब व असहाय किसानों को जो कभी भी आज तक सरकारी सब्सीडी का लाभ नहीं उठा सके, उन्हें उपलब्ध करवाती है और उन्हें जागरूक भी करती है।

13 **कोरोना महामारी में सस्था का योगदान** :–इस विश्वव्यापी महामारी में सस्था ने अपनी अहम भूमिका निभाई इस दौरान जिला शिमला में रोहडू चडगांव व डोडरा क्वार विकास खडं में जरूरतमंदो लोगो को राशन मास्क सैनेटाइजर और विटामिन सी की गोलिया आंवटित की इस महामारी में सस्था ने जिला शिमला में लगभग 400 परिवारों को राशन व इसके साथ साथ 350 परिवारो को मेडिकल किट पहुचाने में सफल हुए इसके अतिरिक्त सिबिल अस्पताल रोहडु में 100 आक्सीजन मास्क 30 पल्य आक्सोमीटर आंबटित किए।

Spo by:- Jan Kalyan sewa sanstha

श्रम आभारः

विगत वर्ष के किए गए सफल प्रयासों के कार्यक्रमों में आयोजन हेतू संस्था निम्नलिखित सरकारी व गैर सरकारी विभागों तथा वितीय संस्थानों की आभारी है जिनकी वित्तीय सहायता व मार्ग दर्षन से हम अपने क्षेत्रों में कार्यक्रमों को सफल संचालन कर सकते हैंः–

संस्था का नाम	कार्यालय
राष्ट्रीय कृषि एवं ग्रामीण विकास बैंक षिमला	शिमला
केन्द्रीय/हि0 प्र0 राज्य समाज कल्याण बोर्ड	दिल्ली/शिमला
हिमाचल प्रदेष महिला विकास निगम	सोलन
हिमाचल प्रदेष अनुसुचित जाति एवं अनुसुचित जन जाति का विकास निगम	सोलन
हिमाचल प्रदेष वानिकी क्षेत्र सुधार परियोजना	शिमला
हिमाचल प्रदेष वॉयलंट्री हैल्थ एसोसिएषन न्यु षिमला	शिमला
राज्य विज्ञान प्रौद्योगिक एवं पर्यावरण परिषद् व पर्यावरण विभाग	शिमला/दिल्ली
भाषा एवं संस्कृति विभाग	शिमला
विकास विकल्प क्लैप	दिल्ली
हिमकॉन संस्थान	शिमला
सिंचाई एवं जन स्वास्थय विभाग और ‡ विभाग षिमला	शिमला
महिला एवं बाल विकास मन्त्रालय, भारत सरकार	नई दिल्ली
जल जीवन मिशन, DWSM, WSSO (H-P) भारत सरकार	नई दिल्ली